माय गौड माय मॉम

दीपिका चण्डालिया

मदर्स डे पर कविताओं और लघु कथाओं का अद्वितीय संग्रह

माय गौड माय मॉम...

Publishing-in-support-of,

FSP Media Publications

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.fspmedia.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-81-19927-52-4

Price: ₹145.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Publisher

Printed in India

माय गौड माय मॉम

दीपिका चण्डालिया

प्रस्तावना

मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि, मैंने माँ पर किताब लिखी, मैं कोई Proffesional Writer नहीं हूँ एक सामान्य लड़की हूँ जिसकी अपने मन में माँ के प्रति जो भावनाऐं है उनको इस बुक में लिखने का प्रयास किया है। मैं अपनी माँ और दुनिया की सभी माँओं को नमस्कार करना चाहती हूँ, जिन्होंने हम सभी को जीवनदान दिया और दुनिया में बहुत कुछ करने के लिए लायक बनाया, धन्य है सभी माताएँ।

- दीपिका चण्डालिया

''माँ तेरे गुणों को मुझसे, गाया नहीं जाता,
तेरे गुणों का अंदाजा मुझसे,
लगाया नहीं जाता,
तेरी महिमा का मापदण्ड, करूं मैं कैसे,
जग में वो पैमाना, पाया नहीं जाता।''

– दीपिका चण्डालिया

विषय सूचि

क्र.	भाग	पृष्ठ
01	कविताएँ और गीत संग्रह	01–16
02	माँ का महत्व	17–28
03	लघु कथाएँ – 1	29–49
04	लघु कथाएँ – 2	50–55
05	मदर्स डे का महत्व	56–58
06	माँ और मेरा रिश्ता	59–63

PART

1

मदर्स डे है महान

ममता की मूरत, समता की सूरत।
गांवों–गांवों माँ के गान, मदर्स डे है महान।
माँ के चरणों में आकर, विनय से शीश झुकाकर।
जितना भी उनका दिल दुखाया,
मांगो उनसे क्षमा का दान।।
मदर्स डे है महान।

जो माँ से प्यार करेगा, उसके सब दुख दूर करेगा।
उसी को मिलेगा, सदा फुलने फलने का आशीर्वाद।।
मदर्स डे है महान।

गर्भ से लेकर बड़ा होने तक, जिसने रखा ध्यान।
उसी कर्ज को, उनके बुढ़ापे में उतारो माँ के सब लाल।।
मदर्स डे है महान।

धन्य–धन्य है वे सब लाल, जिन्हें मिला माँ का प्यार।
तरस रहे है वे सब, जिनसे छुटा माँ का प्यार।
उनकी लाचारी, बेबसी और वृद्धावस्था में
उतारों अपना यह कर्ज महान।।
मदर्स डे है महान।

धन्य–धन्य है दिवस आज का, सुनो सभी इन्सान,
मदर्स डे है महान।

क्या खुब कहाँ है सभी ने माँ के बारे में

(मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है–टेर)

मेरे अंगन में माँ का प्यार दुलार है,
जिसके पास हो माँ,
वही तो दुनिया में महान है।।टेर।।

मैंने पूछा आसमान से – बताओं माँ की महिमा–2
आसमान ने कहा – माँ एक इन्द्रधनुष है
जिसमें सारे रंग समाए।।टेर।।

मैंने पूछा बादलो से – बताओं माँ की महिमा–2
बादल ने कहा – माँ एक मेघ है
जिसमें सारी शीतलता समाए।।टेर।।

मैंने पूछा पहाड़ों से – बताओ माँ की महिमा–2
पहाड़ ने कहा – माँ एक सूरज है
जिसमें सारा प्रकाश समाए।।टेर।।

मैंने पूछा भगवान से – बताओ माँ की महिमा–2
भगवान ने कहा – माँ धरती पर मेरा अवतार है
जिसमें बच्चें की सारी खुशियाँ समाए।।टेर।।

मैंने पूछा माली से – बताओ माँ की महिमा–2
माली ने कहा – माँ एक दिलकश फूल है
जो सारे गुलशन को महकाए।।टेर।।

मैंने पूछा शायर से – बताओ माँ की महिमा–2
शायर ने कहा – माँ एक ऐसी गजल है
जो सभी के दिलों में उतरती चली जाए।।टेर।।

मैंने पूछा चांद से – बताओ माँ की महिमा–2
चांद ने कहा – माँ एक टूटता हुआ तारा है
जिससे बच्चे की सारी मुरादें पूरी हो जाए।।टेर।।

मैंने पूछा धरती से – बताओ माँ की महिमा–2
धरती ने कहा – माँ एक भारतमाता है
जिसमें सारे गुण समाए।।टेर।।

मैंने पूछा खुद से –
बताओ माँ की महिमा–2 लेखिका (खुद) ने कहां –
माँ मेरी भक्ति है, शक्ति है,माँ मेरा सूरज है, चांद है,
माँ मेरा दिन है, रात है, माँ मेरी ताकत है,

माँ वह है जो शब्दों में बया न हो पाए,
और जिसके गुणों को लिखने में कागज कम जाए,
वही तो माँ का प्यार है।।टेर।।

माँ और मेरा रिश्ता - इतना अटूट व गहरा, जिसको मैं हर पल-पल महसूस करती हूँ।

ऐसा रिश्ता जिसको आज तक महसूस किया, उसका अहसास इतना सुन्दर, जिसको मैं शब्दों से कैसे बया करूं, लेकिन फिर भी एक कोशिश करना चाहती हूं कि, मैं अपनी भावनाओं को अपनी ही कलम से लिख दूं।

- दीपिका चण्डालिया

FSP
FSP MEDIA PUBLICATIONS

BOOK AVAILABLE
Flipkart
GET IT ON Google Play
amazon
amazonkindle

EBOOK AVAILABLE
ISBN 978-81-19927-52-4
9 788119 927524